News सिटी चीफ

बिहार सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-291
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुधि पाठकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यालय में अवकाश रहेगा अगला अंक 27 जनवरी (सोमवार) को प्रकाशित होगा - संपादक

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शनिवार 25 जनवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार के इन पुलिसकर्मियों को मिलेगा राष्ट्रपति मेडल, विशिष्ट और सराहनीय सेवा के लिए सम्मान

गणतंत्र दिवस के मौके पर बिहार पुलिस के नौ अधिकारियों और पदाधिकारियों को विशिष्ट और सराहनीण सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) दिया जायेगा। शनिवार सुबह इसकी जानकारी दी गई है। राष्ट्रपति पदक पाने वालों में अपर पुलिस महानिदेशक कस्सी सुहिता अनुपम और उप पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार शामिल हैं। इन्हें विशिष्ट सेवा के लिए पदक दिया जा रहा है। वहीं सराहनीय सेवा के लिए दो एसपी को भी पदक दिया जा

रहा है। इनमें आईपीएस संजय कुमार और मनोज कुमार शामिल हैं।

वहीं कमांडेंट हरि मोहन शुक्ला, उपनिरीक्षक संजीत कुमार, सहायक उपनिरीक्षक अतिमेश कुमार उपाध्याय, सब इंस्पेक्टर शशिकांत और सब इंस्पेक्टर जय प्रकाश सराहनीय सेवा के लिए पद दिया जाएगा। बता दें कि यह पदक वीरता के लिए पदक (जीएम) क्रमशः जीवन और संपत्ति को बचाने, या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने, दायित्वों और कर्तव्यों के संबंध में होने वाले जोखिम का आकलन करने में दुर्लभ विशिष्ट वीरता कार्य और विशिष्ट वीरता कार्य के आधार पर प्रदान किए जाते हैं। संबंधित अधिकारी का.

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) सेवा में विशेष प्रतिष्ठित रिकॉर्ड के लिए प्रदान किया जाता है और सराहनीय सेवा पदक (एमएसएम) संसाधन और कर्तव्य के प्रति समर्पण की विशेषता वाली मूल्यवान सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। बता दें कि इस बार गणतंत्र दिवस पर देशभर के विशिष्ट सेवा के लिए 101 राष्ट्रपति पदक (पीएसएम) में से 85 पुलिस सेवा को, 05 अग्निशमन सेवा को, 07 नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड सेवा को और 04 सुधार सेवा के लिए पदक प्रदान किए गए हैं।

वहीं सराहनीय सेवा (एमएसएम) के लिए 746 पदकों में से 634 पुलिस सेवा को, 37 अग्निशमन सेवा को, 39 नागरिक सुरक्षा और होम गार्ड सेवा को और 36 सुधार सेवा को प्रदान किए गए हैं।

बिहार के इस जिले में बेहतर होगी कनेक्टिविटी

नई रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया हुई तेज

सीतामढ़ी, बिहार के सीतामढ़ी और शिवहर जिले के लोगों के लिए अच्छी खबर है. इन जिलों में अब रेल कनेक्टिविटी बेहतर होने वाली है. इसको लेकर रेलवे ने काम भी शुरू कर दिया है. बता दें कि रेलवे ने सीतामढ़ी-मोतिहारी वाया शिवहर नई रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की दिशा में कार्य करना प्रारंभ कर दिया है. यह कार्य तेज गति से भी आगे बढ़ रही है. सीतामढ़ी-मोतिहारी वाया शिवहर न्यू रेलखंड को रेलवे द्वारा 69.9 किलोमीटर में तैयार करना है. फिलहाल, सीतामढ़ी से शिवहर के बीच कुल 28 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के भूमि सर्वे और अधिग्रहण का काम शुरू हो चुका है.

इस 28 किलोमीटर में सीतामढ़ी जिला के कुल 17.5 किलोमीटर क्षेत्र है. वहीं बांकी बचे 10.5 किलो मीटर का क्षेत्र शिवहर जिले में आता है. इस रेलखंड पर 13 पुल और 62 पुलिया तैयार किए जाएंगे. वहीं, कुल 30 रेलवे समपार फाटक भी बनाए जाएंगे. बताया गया है कि सीतामढ़ी के रेवासी और शिवहर के धनकौल व शिवहर में रेलवे स्टेशन होगा. रेलवे के कार्य में गति लाने के लिए जिला पदाधिकारी रिची पांडेय ने बीते दिनों रीगा प्रखंड के रेवासी में सीतामढ़ी-शिवहर नई रेल लाइन के पथ रेखांकन का निरीक्षण किया था.

209 एकड़ भूमि का हो रहा है अधिग्रहण

निरीक्षण के दौरान जिला भू-अर्जन पदाधिकारी विकास कुमार द्वारा बताया गया कि सीतामढ़ी-शिवहर नई रेल लाइन कुल 13 ग्रामों में 209 एकड़ भूमि अर्जित की जा रही है. इसके लिए लगभग 50 करोड़ रूपए मुआवजा के तौर पर वितरण कर दिया गया है. जिला भू-अर्जन कार्यालय से किसानों को नोटिस भेजने का कार्य शुरू है. इसको लेकर जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया है कि रेलवे लाइन के मुआवजा वितरण में तेजी लाएं. इस कार्य को तेज गति से करने के लिए दोनों जिलों के प्रशासनिक अधिकारी को निर्देश दिया गया है, ताकि इस परियोजना का काम जल्द पूरा हो सके.

बिहार के 29 जिलों में जारी रहेगी कंपकंपी...

मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

पटना, बिहार में ठंड से लोगों को अभी राहत मिलने वाली नहीं है, इसे लेकर मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया है, पछुआ हवा के प्रभाव से लोगों की परेशानी और बढ़ने वाली है। आज गुरुवार से पटना सहित कई जिलों में कनकनी बढ़ेगी, वहीं दिन में धूप निकलने से अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिलेगी लेकिन सुबह-शाम कोहरे और ठंड का प्रकोप देखने को मिलेगा,मौसम विभाग के अनुसार आज गुरुवार को पांच जिलों में शीतलहर और दस जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। बता दें कि शीत दिवस वाले जिलों में सीतामढ़ी, सारण, पूर्वी चंपारण, मधुबनी और शिवहर को लेकर येलो अलर्ट

जारी किया गया है। वहीं मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, सीतामढ़ी, शिवहर, समस्तीपुर, मधुबनी, बेगूसराय और पूर्वी बिहार के कई जिलों में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।बीते 24 घंटों के अंदर राज्य में सबसे ठंडा डेहरी रहा, जिसका न्यूनतम तापमान 8 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार चक्रवाती परिसंचरण की स्थिति बनी हुई है। उधर बंगाल की खाड़ी की वजह से नमी का प्रवाह भी लगातार हो रहा है, पछुआ हवा की वजह कनकनी बढ़ेगी।

पताही में बन रहे जीविका भवन का पीओ ने किया निरीक्षण

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

पताही, प्रखंड मुख्यालय के पीछे मनरेगा योजना से 14 लाख 25 हजार के लागत से बन रहे जीविका भवन का शुक्रवार को पीओ आलोक कुमार एवं जेई संजीव कुमार मुखिया कृष्णमोहन कुमार ने निरीक्षण किया . निरीक्षण के दौरान पीओ ने जीविका भवन के कार्य को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया . साथ ही जेई संजीव कुमार को जीविका भवन के बगल में जीविका पार्क बनाने को लेकर स्थल का

निरीक्षण करने का निर्देश दिया . पीओ ने बताया कि प्रखंड कार्यालय के पीछे पताही पूर्वी पंचायत द्वारा मनरेगा योजना से जीविका भवन का निर्माण कराया जा रहा है . जिसके निर्माण के बाद उक्त जीविका भवन में जीविका कार्यालय संचालित होगा . साथ ही बन रहे जीविका भवन जे बगल में जिबिका पार्क बनाया जायेगा . मौके पर मुखिया कृष्णमोहन कुमार , रोजगार सेवक देसेस कुमार सिंह , मनीष कुमार , चुमन सिह आदि उपस्थित थे.

पिपरा थाना अंतर्गत हुए अजीत हत्याकांड का तीसरा अभियुक्त गिरफ्तार

चन्दन कुमार चौबे 7 सिटी चीफ

पिपरा थाना अंतर्गत हुए अजीत हत्याकांड के अप्राथमिकी अभियुक्त मनीष कुमार को कल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में पिपरा थाना द्वारा संयुक्त छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया गया। इस हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त विनोद प्रसाद व शूटर गोलु कुमार को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी है। कल इस हत्याकांड के तीसरे अभियुक्त मनीष कुमार को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त मनीष कुमार ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया की उक्त हत्याकांड के मुख्य शूटर गोलु का परिचय लड़की के पिता आरोपी विनोद प्रसाद से इसने ही कराया था।

पुलिस इस घटना में संलिप्त अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है

मंत्री दिलीप जयसवाल बोले- दाखिल-खारिज की पेंडेंसी जल्द हो जाएगी खत्म

अब शहर के लोगों को मिलेगा बेहतर राजस्व प्रशासन

पटना. बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि शहर के लोगों को अब बेहतर राजस्व प्रशासन मिलेगा। राजधानी पटना का पटना सदर अंचल क्षेत्रफल एवं जनसंख्या के दृष्टिकोण से काफी बड़ा है। इस कारण अंचल के राजस्व कार्यों के ससमय निष्पादन में काफी परेशानियां आ रहीं थीं। प्रशासनिक दृष्टिकोण एवं राजस्व प्रशासन को सुदृढ़ तथा आमजन के लिए संवेदनशील बनाने के लिए पटना सदर अंचल को चार अंचलों में विभाजित कर दिया गया है। अब पटना सदर अंचल क्षेत्र को बांटकर पाटलिपुत्र अंचल, पटना सिटी अंचल एवं दीदारगंज नाम से नए अंचल अस्तित्व में आ गए हैं। डॉ. जायसवाल ने कहा कि बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। उम्मीद है कि शहर के लोगों को बेहतर राजस्व प्रशासन मिलेगा। जाति, आवासीय, आय और एलपीसी प्रमाण पत्र समय से मिलेंगे। दाखिल-खारिज की पेंडेंसी भी जल्द ही खत्म हो जाएगी। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने बताया कि पटना सदर अंचल के साथ अब नवगठित पाटलिपुत्र, पटना सिटी और दीदारगंज अंचल अस्तित्व में आ गए हैं।

21 बोतल विदेश शराब के साथ महिला गिरफ्तार,भेजे गए न्यायिक हिरासत

चन्दन कुमार चौबे . सिटी चीफ

मध निषेध उत्पाद अधीक्षक रणधीर कुमार सिंह के निर्देश पर उत्पाद पुलिस द्वारा बुधवार की रात शिवहर नगर परिषद वार्ड नंबर 15 में छापेमारी कर 21 बोतल टैट्रा पैक विदेशी शराब के साथ एक धंधेबाज महिला को गिरफ्तार किया गया है। वही धंधेबाज महिला की पहचान शिवहर नगर परिषद वार्ड नंबर 15 निवासी नंदकिशोर शाह के पत्नी सीता देवी के रूप में की गई है।उक्त बाबत की जानकारी देते हुए मद निषेध इंस्पेक्टर हरिलाल राम ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर नंदकिशोर शाह के घर पर छापेमारी की गई.इस दौरान महिला धंधेबाज को 21 बोतल टैट्रा पैक विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार कर बिहार मध निषेध व उत्पाद अधिनियम धाराओं में प्राथमिक की दर्ज कर धंधेबाज महिला को न्यायिक हिरासत भेज दिया गया.इस छापेमारी में मध निषेध दरोगा सुदामा कुमार, सहायक अवर निरीक्षक ओम प्रकाश यादव, एसआई निकिता कुमारी व अन्य मौजूद रहे.

समृद्ध हो रहीं जीविका दीदियां

दीदी की नर्सरी' के पौधों से बिहार की धरा में आ रही हरियाली

पटना. स्वावलंबी होकर अन्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली जीविका दीदियां अब पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। दीदी की नर्सरी के पौधे से बिहार की धरा में हरियाली आ रही है, वहीं दीदियों के घरों में भी समृद्धि के द्वार खुल रहे हैं। स्वरोजगार के अवसर बढ़ने से हरियाली को भी बढ़ावा मिल रही है।

दीदियों के द्वारा नर्सरी जो चलायी जा रही हैं, उनसे वन विभाग एवं मनरेगा के द्वारा पौधे की खरीदारी किए जाने का प्रावधान

है। जीविका दीदी को हर संभव मदद भी किया जा रहा है।

विभिन्न योजनाओं के तहत सरकार द्वारा जीविका दीदियों के पौधों को खरीदा जाएगा। इस तरह उन्हें स्वरोजगार का अवसर भी प्राप्त होगा। पोषण, सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा भी पूरा किया जा सकेगा। पहले बिहार में पौधारोपण के लिए दूसरे रायों से पौधा मंगाने से उसकी खरीद महंगी होती है और दूर से आने पर रास्ते के हिचकोले में पौधा मर जाता है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से सस्ता और गुणवत्ता पूर्ण होगा, जिससे हरित आवरण का लक्ष्य को ससमय पूरा किया जा सकेगा।

दीदी की नर्सरी से स्वरोजगार के अवसर तो मिल ही रहें हैं हरियाली आछादन कार्यक्रम को भी इससे सफलता मिलेगी। अब दूसरे रायों से पौधे की खरीदारी के लिए निर्भरता समाप्त हो जाएगी। जीविका दीदियों के द्वारा नर्सरी में फूल का पौधा लगाने का कार्य कर रही हैं, इससे स्वावलंबी होने के साथ ही बिहार में विकास की इबारत लिख रही हैं।